(B) Minor Courses to be offered by the Department for the students of other departments of Humanities

SL .No	SEM	Type of Course	Name of Courses	Credits	MARKS
1.	I	MIC-1	हिंदी साहित्य का इतिहास	3	100
2.	II	MIC-2	हिंदी कविता : मध्यकाल तक	3	100
3.	III	MIC-3	आधुनिक हिंदी कविता : छायावाद तक	3	100
4.	IV	MIC-4	आधुनिक हिंदी कविता : छायावाद के बाद	3	100
5.	V	MIC-5	भारतीय काव्यशास्त्र	3	100
6.	V	MIC-6	हिंदी की साहित्यिक विधाएं : समीक्षात्मक अध्ययन	3	100
7.	VI	MIC-7	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	100
8.	VI	MIC-8	हिंदी कहानियां : पाठ	3	100
9.	VII	MIC-9	हिंदी उपन्यास : पाठ	4	100
10.	VIII	MIC-10	हिंदी गद्य (विविध विधाएं) : पाठ	4	100
			कुल	32 -	

Study Origin.com

MIC-2	हिंदी कविता : मध्यकाल

COURSE OBJECTIVES

हिंदी कविता का बहुत बड़ा हिस्सा इस पत्र से संबंधित है। आदिकालीन कविता हिंदी में कविता का निर्माण काल है। इसकी एक धारा के प्रमुख कवि विद्यापति हैं, जिन्हें अंतरप्रांतीय लोकप्रियता हासिल है। भक्तिकाल को हिंदी साहित्य के इतिहास में स्वर्णकाल कहा जाता है। इस काल की विभिन्न धाराओं से जुड़े कबीर, जायसी, सूर, तुलसी जैसे महान कवि हुए हैं। इन कवियों के काव्य के अध्ययन-आस्वादन से पाठकों के काव्यविवेक को तो दिशा मिलेगी ही, अपने देश और समाज को समझने में भी भरपूर मदद मिलेगी साथ ही रीतिकाल के बिहारी एवं घनानन्द जैसे श्रेष्ठ कवियों की कविता के अध्ययन से हिन्दी कविता के एक भिन्न किन्तु महत्वपूर्ण स्वरूप से परिचय होगा।

	MIC-2 (Theory: 03 Credits)		
Unit	**Topic to be covered**	**No. of Lectures**	**L-T-P 3-1-0 Per weak**
1.	• **विद्यापति** (विद्यापति पदावली संपादक, रामवृक्ष बेनीपुरी) • देख- देख राधा रूप अपार .....(2) • जय जय भैरवि असुर .....(3) • तातल सैकत बार -बिन्दु सम....(254) • **कबीर** (कबीर ग्रंथावली : संपादक बाबू श्याम सुंदर दास) • अकथ कहानी प्रेम की .....(156) • लोका मति के भोरा रे.....(402) ➢ **मलिक मुहम्मद जायसी** (पद्मावत: संपादक वासुदेवशरण अग्रवाल) • मानसरोदक खण्ड	**15**	
2.	➢ **सूरदास** (श्रीकृष्ण बाल-माधुरी, गीता प्रेस, गोरखपुर) • कहन लागे मोहन मैया-मैया.....(88) • मैया! हौं गाइ चरावन जैहों .....(281) ➢ **तुलसीदास :** रामचरित मानस(बाल कांड) गीता प्रेस गोरखपुर • धनुर्भंग प्रसंग (दोहा संख्या : 249 से 262 तक)	**15**	
3.	➢ **बिहारी** (बिहारी रत्नाकर : संपादक श्री जगन्नाथदास रत्नाकर)दोहा संख्या- 01,08,16,20,32,33,38,51,63,67	**15**	

Study Origin.com

	➢ **घनानंद** (घनानंद कबित्त, भूमिका : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) • भये अति निठुर, मिटाय पहचानि डारी...(7) • तब तौ छवि पीवत जीवत हे.....(13) • रावरे रूप की रीति अनूप..... (15) • अति सूधो सनेह को मारग है.....(82)		
	कुल	**45**	

COURSE OUTCOMES

मध्यकाल की हिंदी कविता की विभिन्न छवियों से आप परिचित हो सकेंगे। इन कवियों के पाठगत अध्ययन से आप साहित्य के साथ सामाजिक संबंधों की पड़ताल भी कर सकेंगे। इन कविताओं के पाठ से आपकी संवेदना के विकास के साथ आपकी भाषिक समृद्धि भी होगी।

सहायक पुस्तकें –

1. विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
2. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद
3. सूफीमत: साधना और साहित्य : राम पूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
4. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. अकथ कहानी प्रेम की: पुरूषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. सूरदास :रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
8. सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
11. घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा: मनोहर लाल गौड़

Study Origin.com